

II. HINDI SPECIFIC (DSE 4):

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)

अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 4):

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100**Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40****प्रश्न पत्र के लिए निर्देश****मध्य छमाही परीक्षा :**

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप-विभाजन हो सकते हैं।

साहित्य के नये विमर्श एवं प्रेमचन्द

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

साहित्य के नये विमर्श

इकाई – 1 अस्मिता केन्द्रित विमर्श की अनिवार्यता, हिन्दी में अस्मिता केन्द्रित विमर्श का स्वरूप हिन्दी में दलित विमर्श, हिन्दी में नारी विमर्श, हिन्दी में जनजातीय विमर्श, हिन्दी में स्त्री लेखन की परंपरा और विकास, स्त्री आत्मकथा का वैशिष्ट्य।

इकाई –2 हिन्दी में बाल विमर्श, हिन्दी में वृद्ध विमर्श, हिन्दी में विकलांग विमर्श, हिन्दी के प्रमुख दलित लेखक, अस्मिता केन्द्रित विमर्श का भविष्य।

इकाई–3 दलित आत्मकथाएं –

जूठन	: ओम प्रकाश वाल्मीकि
मुर्दहिया	: तुलसी राम
एक कहानी यह भी	: मन्नू भंडारी

प्रेमचन्द

इकाई –1 प्रेमचन्द का जीवन वृत्त एवं रचना संसार।

इकाई –2 प्रेमचन्द के उपन्यासों का वैशिष्ट्य, प्रेमचन्द का कहानियों का वैशिष्ट्य।

इकाई –3 प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ –
पंच-परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, वैर का अंत, आत्माराम, सुहाग की साड़ी, सद्गति, प्रेरणा, प्रारब्ध।

पाठ्य पुस्तक :-

निर्मला : प्रेमचन्द

प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ : सं० डॉ० जंग बहादुर पाण्डेय, डॉ० हीरानन्दन प्रसाद, डॉ० नीरज कुमार